केंद्रीय विद्यालय क्रमांक 1, अखनूर

सर्वश्रेष्ठ शिक्षण अभ्यास (Best Practice) पर विस्तृत रिपोर्ट

विषयः चित्र-वर्णन के माध्यम से संस्कृत में वाक्य निर्माण

विषय अध्यापिका - भतेरी देवी (प्रशिक्षित स्नातक शिक्षिका , संस्कृत)

कक्षा-: सप्तमी

कक्षा 7 के विद्यार्थियों को संस्कृत भाषा को सरल, रोचक एवं व्यवहारिक रूप में सिखाने के उद्देश्य से मैंने चित्र-वर्णन आधारित वाक्य निर्माण गतिविधि का आयोजन किया। संस्कृत भाषा को अक्सर विद्यार्थी कठिन मानते हैं, इसलिए इस गतिविधि के माध्यम से उन्हें सहज और आनंददायक तरीके से भाषा सीखने का अवसर प्रदान किया गया।

इस गतिविधि के अंतर्गत विद्यार्थियों को विभिन्न प्रकार के चित्र (जैसे प्राकृतिक दृश्य, बाजार, विद्यालय, परिवार आदि) दिखाए गए। प्रत्येक विद्यार्थी को चित्र को ध्यानपूर्वक देखकर संस्कृत में छोटे-छोटे वाक्य बनाने के लिए प्रेरित किया गया। प्रारंभ में सरल शब्दों एवं वाक्यों से शुरुआत कराई गई, तत्पश्चात विद्यार्थियों को अधिक स्पष्ट एवं सुसंगत वाक्य निर्माण हेतु मार्गदर्शन दिया गया।

- विद्यार्थियों ने अत्यंत उत्साह एवं रुचि के साथ इस गतिविधि में भाग लिया। चित्र को देखकर उन्होंने अपनी कल्पनाशक्ति का प्रयोग करते हुए संस्कृत में वाक्य बनाए और उनका मौखिक प्रस्तुतीकरण भी किया। इस प्रक्रिया में उनकी भाषा दक्षता, शब्दावली एवं वाक्य संरचना में उल्लेखनीय सुधार देखने को मिला।

- कक्षा का वातावरण अत्यंत सहभागितापूर्ण एवं आनंददायक रहा। विद्यार्थियों ने एक-दूसरे के वाक्यों को सुनकर भी सीखा, जिससे सहयोगात्मक अधिगम को बढ़ावा मिला। यह गतिविधि केवल भाषा ज्ञान तक सीमित न रहकर विद्यार्थियों की रचनात्मकता और आत्मविश्वास को भी विकसित करने में सहायक सिद्ध हुई।

<u>शिक्षक के रूप में अनुभव एवं लाभ:</u>

इस गतिविधि के माध्यम से मुझे विद्यार्थियों की भाषा समझ एवं प्रगति का स्पष्ट आकलन करने में सहायता मिली। मुझे यह जानने में आसानी हुई कि कौन-से विद्यार्थी संस्कृत वाक्य निर्माण में सक्षम हैं और किन्हें अधिक अभ्यास की आवश्यकता है।

इसके अतिरिक्त, विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी के कारण कक्षा प्रबंधन सरल एवं प्रभावी बना रहा। शिक्षण प्रक्रिया अधिक संवादात्मक एवं छात्र-केंद्रित हो गई, जिससे मुझे पढ़ाने में सहजता एवं संतोष का अनुभव हुआ।

<u>मूल्यांकन एवं प्रति</u>गतिविधि के पश्चात विद्यार्थियों से चित्रों के आधार पर लिखित एवं मौखिक वाक्य बनवाकर उनका मूल्यांकन किया गया। अधिकांश विद्यार्थियों ने सही एवं सार्थक वाक्य निर्माण किया, जिससे यह स्पष्ट हुआ कि उनकी भाषा समझ में सुधार हुआ है।

<u>प्रमुख उपलब्धियाँ:</u>

- संस्कृत भाषा के प्रति विद्यार्थियों में रुचि एवं आत्मविश्वास में वृद्धि हुई।

<u>फल:</u>

- शब्दावली एवं वाक्य निर्माण कौशल का विकास हुआ।

- रचनात्मक सोच एवं अवलोकन क्षमता में सुधार हुआ।

- समूह एवं सहभागितापूर्ण अधिगम को बढ़ावा मिला।

- शिक्षण प्रक्रिया अधिक सरल, प्रभावी एवं आनंदमय बनी।

<u>निष्कर्ष:</u>

चित्र-वर्णन आधारित यह गतिविधि संस्कृत शिक्षण को जीवंत एवं प्रभावी बनाने में अत्यंत सफल रही। इसने विद्यार्थियों को भाषा को समझने एवं प्रयोग करने के लिए प्रेरित किया। साथ ही, यह विधि मेरे लिए एक सर्वश्रेष्ठ शिक्षण अभ्यास (Best Practice) के रूप में स्थापित हुई है, जिसे भविष्य में अन्य कक्षाओं एवं विषयों में भी अपनाया जा सकता है।

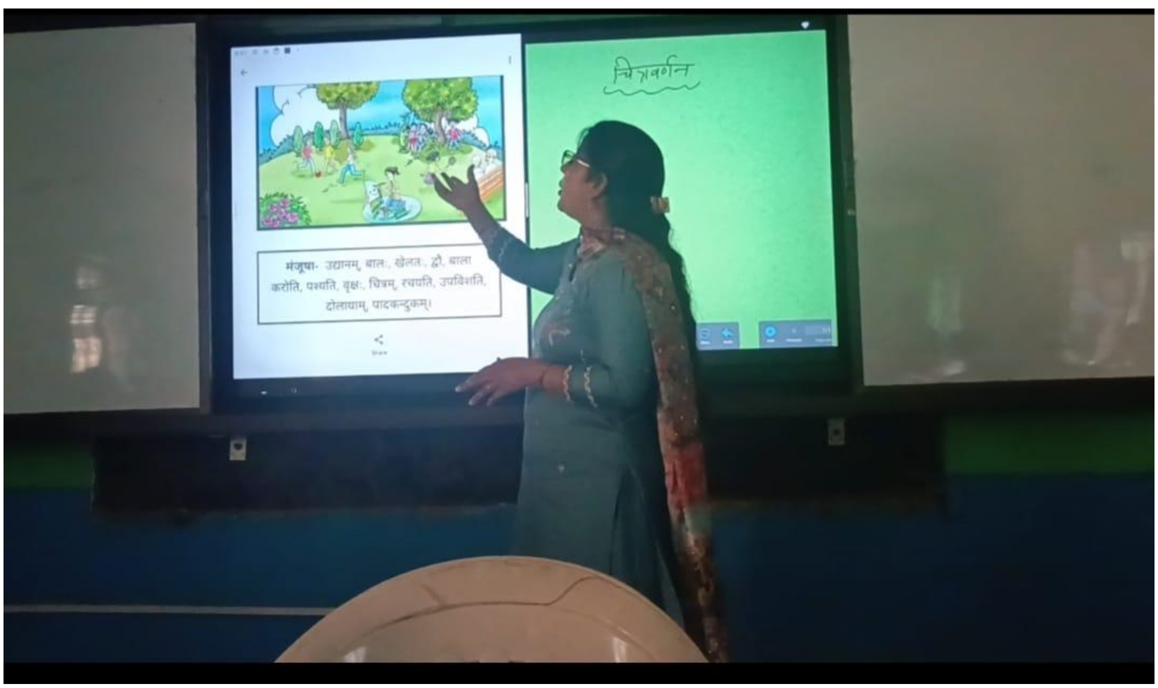

<u>शिक्षिका द्वारा गतिविधि के दौरान विद्यार्थियों को मार्गदर्शन एवं सहयोग प्रदान करते हुए।</u>

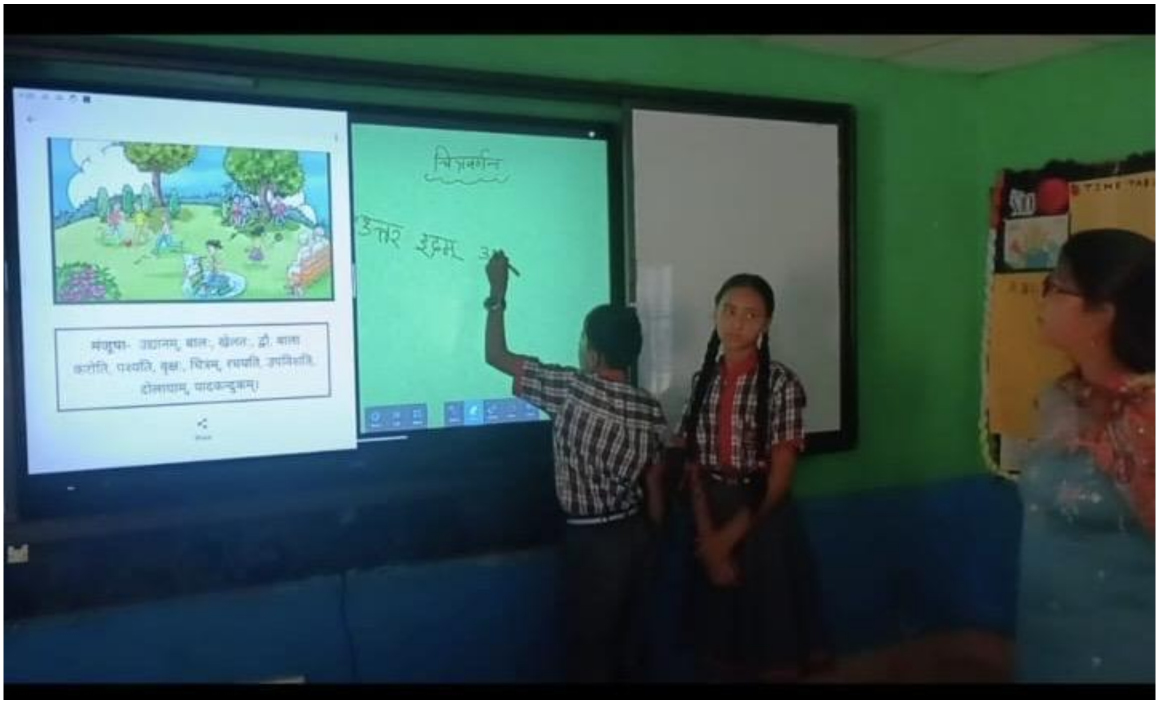

<u>***विद्यार्थी चित्र को देखकर संस्कृत में वाक्य निर्माण करते हुए।***</u>

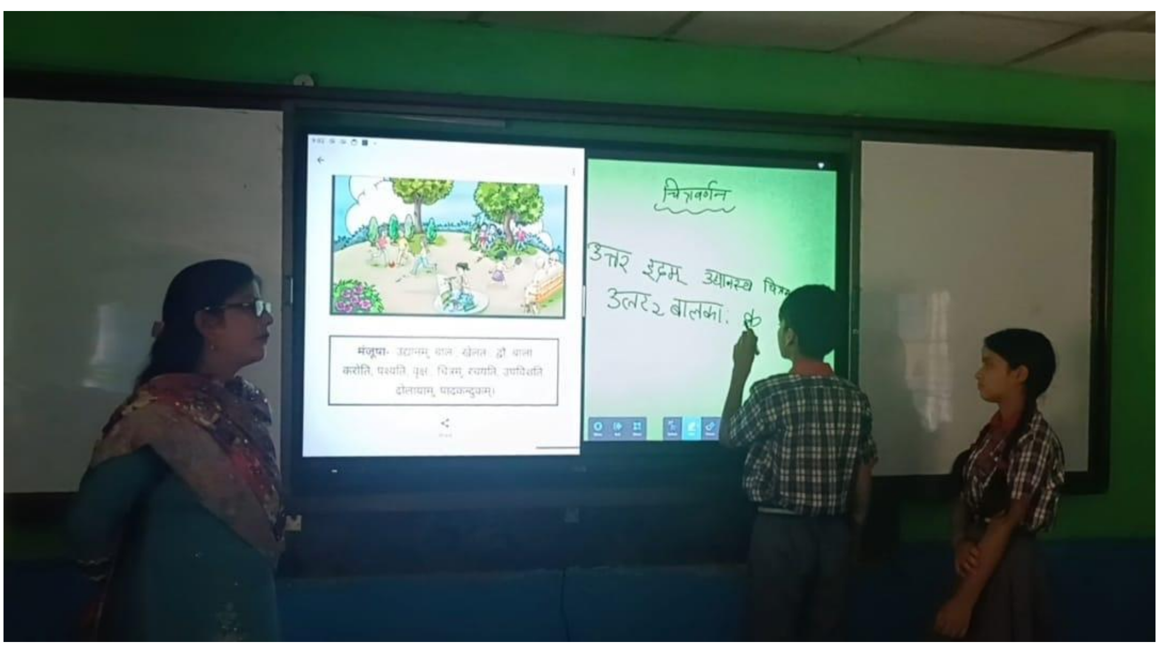

कक्षा में छात्र-छात्राएँ उत्साहपूर्वक चित्र-वर्णन गतिविधि में भाग लेते हुए।

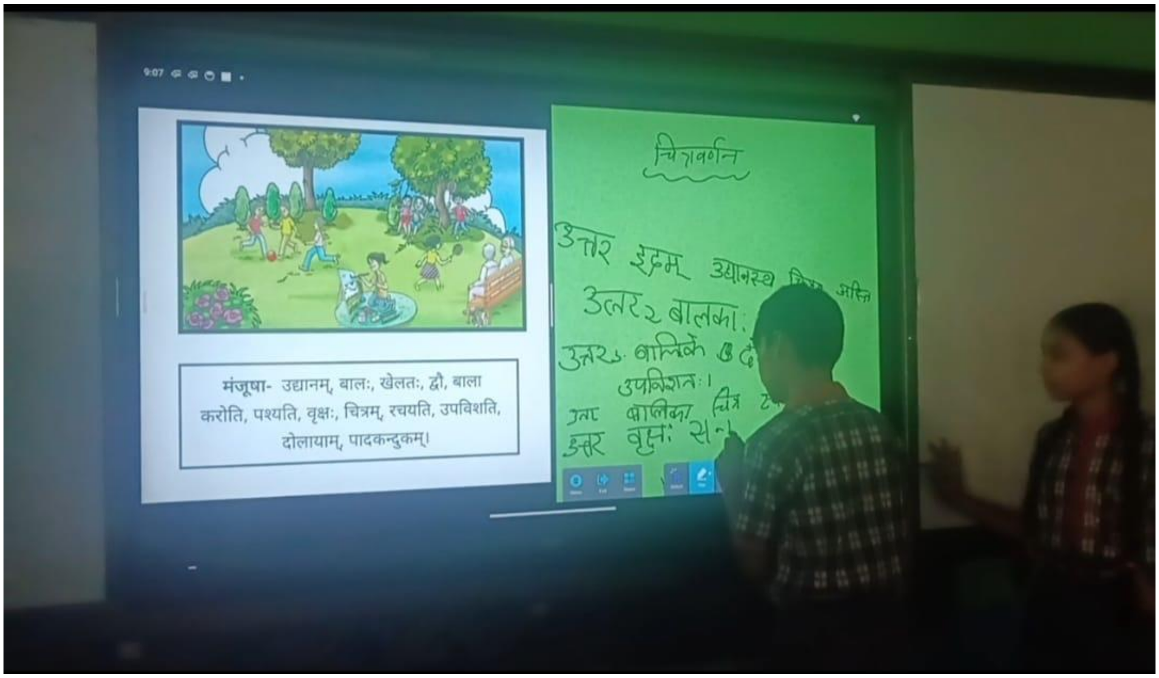

चित्रों के माध्यम से संस्कृत भाषा का अभ्यास करते हुए विद्यार्थी।

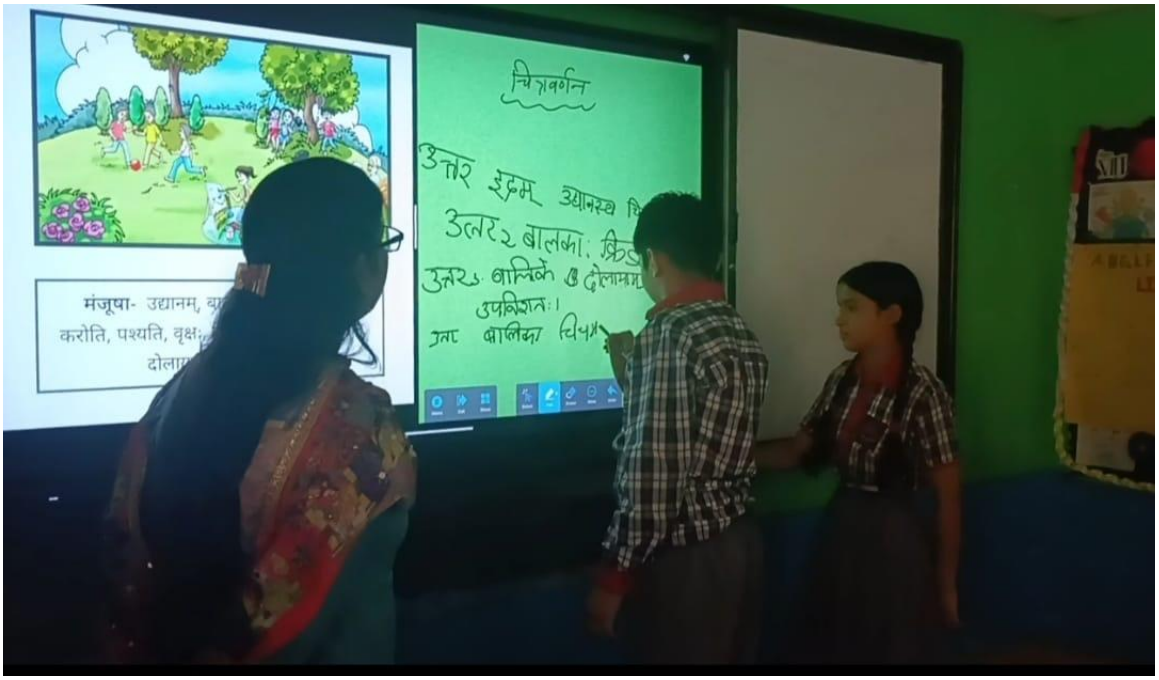

<u>रचनात्मक सोच के साथ संस्कृत में अपने विचार व्यक्त करते हुए छात्र।</u>

<u>विषय: अलंकार के अध्यापन हेतु रोल प्ले गतिविधि</u>

<u>विषय अध्यापिका -रेणु शर्मा (प्रशिक्षित स्नातक शिक्षिका हिन्दी)</u>

<u>कक्षा: 9 वीं</u>

कक्षा 9 के विद्यार्थियों को हिंदी व्याकरण के महत्वपूर्ण विषय अलंकार को प्रभावी, रोचक एवं स्थायी रूप से समझाने के उद्देश्य से मैंने एक नवाचारी शिक्षण विधि के रूप में रोल प्ले (Role Play) गतिविधि का

आयोजन किया। सामान्यतः अलंकार का अध्यापन विद्यार्थियों को जटिल एवं नीरस प्रतीत होता है, इसलिए इसे सरल, सरस एवं आनंदमय बनाने के लिए इस गतिविधि की योजना बनाई गई।

इस गतिविधि के अंतर्गत सर्वप्रथम विद्यार्थियों को अलंकार की मूल अवधारणा का संक्षिप्त परिचय दिया गया। तत्पश्चात उन्हें छोटे-छोटे समूहों में विभाजित किया गया और प्रत्येक समूह को एक-एक अलंकार (जैसे उपमा, रूपक, अनुप्रास आदि) सौंपा गया। विद्यार्थियों को निर्देश दिया गया कि वे गीत, संवाद और अभिनय के माध्यम से अपने निर्धारित अलंकार को प्रस्तुत करें।

- विद्यार्थियों ने अत्यंत उत्साह और रचनात्मकता के साथ इस कार्य में भाग लिया। उन्होंने गीतों के माध्यम से अलंकारों का प्रयोग करते हुए छोटी-छोटी प्रस्तुतियाँ तैयार कीं और मंच पर उनका अभिनय किया। इस प्रक्रिया में उन्होंने न केवल अलंकारों के अर्थ को समझा, बल्कि उनके प्रयोग की गहरी एवं व्यावहारिक समझ भी विकसित की।

- गतिविधि के दौरान कक्षा का वातावरण अत्यंत जीवंत, सहभागितापूर्ण और आनंददायक रहा। विद्यार्थियों ने एक-दूसरे की प्रस्तुतियों से भी सीखा और आपसी सहयोग एवं समन्वय की भावना का विकास हुआ। इस प्रकार यह गतिविधि शिक्षण को केवल पाठ्यपुस्तक तक सीमित न रखकर अनुभवात्मक अधिगम में परिवर्तित करने में सफल रही।

शिक्षक के रूप में अनुभव एवं लाभ:

इस गतिविधि से मुझे एक शिक्षक के रूप में कई महत्वपूर्ण सुविधाएँ एवं सकारात्मक अनुभव प्राप्त हुए। सबसे पहले, मुझे यह समझने में आसानी हुई कि कौन-से विद्यार्थी विषय को अच्छी तरह समझ पा रहे हैं और किन्हें अतिरिक्त मार्गदर्शन की आवश्यकता है। पारंपरिक पद्धति में जहाँ सभी विद्यार्थी समान रूप से सक्रिय नहीं होते, वहीं इस गतिविधि में प्रत्येक विद्यार्थी की भागीदारी सुनिश्चित हुई।

इसके अतिरिक्त, मुझे विद्यार्थियों की रचनात्मकता, सोचने की क्षमता और अभिव्यक्ति कौशल को नजदीक से देखने और समझने का अवसर मिला। कक्षा प्रबंधन भी अपेक्षाकृत सरल रहा क्योंकि विद्यार्थी स्वयं ही गतिविधि

में रुचि लेकर अनुशासित बने रहे। इस प्रकार शिक्षण प्रक्रिया अधिक सहज, प्रभावी और कम दबावपूर्ण महसूस हुई।

मूल्यांकन एवं प्रतिफल:

गतिविधि के पश्चात विद्यार्थियों से मौखिक एवं लिखित प्रश्नों के माध्यम से उनकी समझ का आकलन किया गया। यह पाया गया कि अधिकांश विद्यार्थियों ने अलंकारों की अवधारणा को स्पष्ट रूप से समझ लिया था और वे उदाहरणों सहित उन्हें पहचानने में सक्षम थे।

प्रमुख उपलब्धियाँ:

- विद्यार्थियों में विषय के प्रति रुचि एवं उत्साह में वृद्धि हुई।
- अलंकार की जटिल अवधारणाएँ सरल एवं स्थायी रूप से समझ में आईं।
- रचनात्मकता, आत्मविश्वास एवं प्रस्तुतीकरण कौशल का विकास हुआ।
- समूह कार्य के माध्यम से सहयोगात्मक अधिगम को बढ़ावा मिला।
- सीखने की प्रक्रिया अधिक आनंददायक एवं प्रभावी बनी।

निष्कर्ष:

यह गतिविधि मेरे लिए एक अत्यंत सफल एवं प्रभावी शिक्षण अनुभव रही। रोल प्ले एवं गीत आधारित शिक्षण ने विद्यार्थियों को सक्रिय रूप से सीखने के लिए प्रेरित किया और विषय को उनके लिए जीवंत बना दिया। साथ ही, इसने मुझे एक शिक्षक के रूप में अपनी शिक्षण शैली को और अधिक लचीला, रचनात्मक एवं छात्र-केंद्रित बनाने की प्रेरणा दी। अतः यह विधि मेरी शिक्षण प्रक्रिया में एक सर्वश्रेष्ठ अभ्यास (Best Practice) के रूप में स्थापित हुई है, जिसे भविष्य में भी अन्य विषयों के अध्यापन में अपनाया जा सकता है।

कक्षा में विद्यार्थी गीत के माध्यम से अलंकार का रोचक रोल प्ले प्रस्तुत करते हुए।

छात्र-छात्राएँ अभिनय के जरिए अलंकारों को जीवंत रूप में दर्शाते हुए।

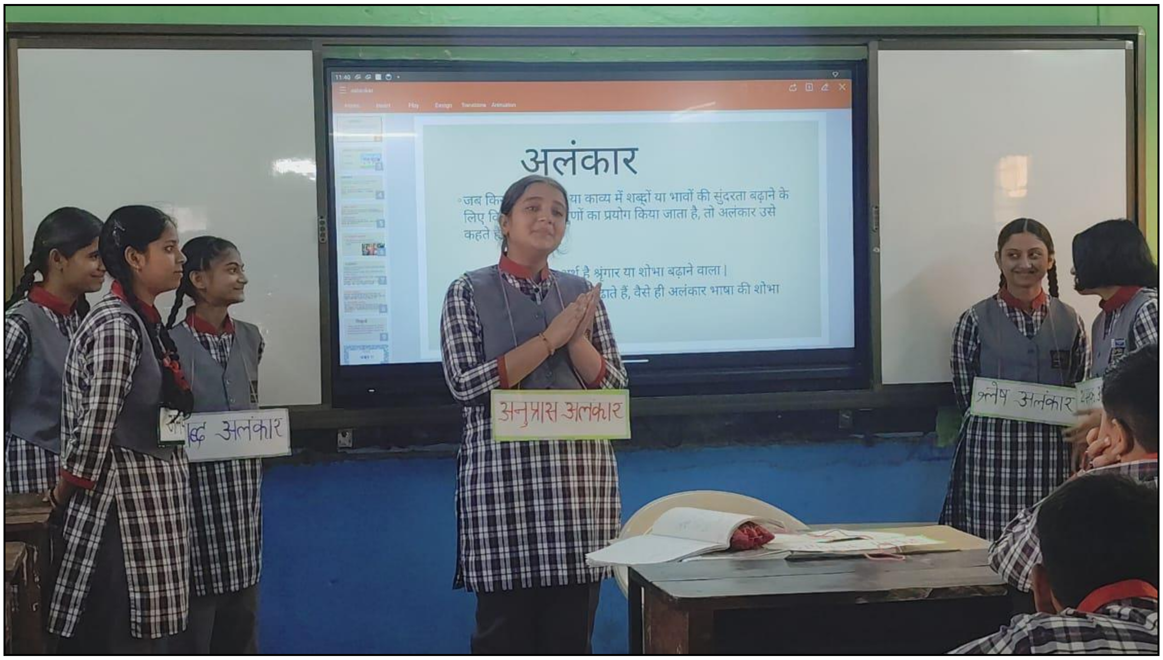

समूह गतिविधि के दौरान विद्यार्थी उत्साहपूर्वक अपनी प्रस्तुति देते हुए।

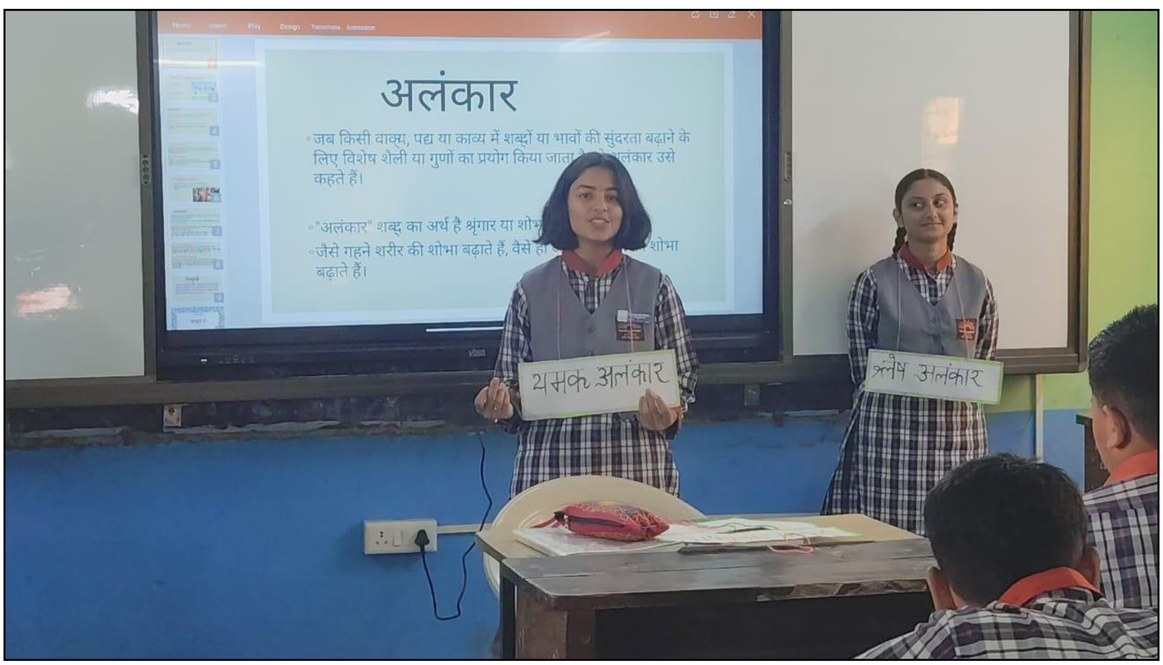

रचनात्मक अभिव्यक्ति के माध्यम से अलंकार की अवधारणा को समझते हुए विद्यार्थी।

Title of the Practice

Developing Communication and Critical Thinking through Story Narration and Role Play

2. Name of KV & Region

Kendriya Vidyalaya No. 1 Akhnoor, Jammu Region

3. Class/Stage

Secondary Stage (Class XI)

4. Language

English

5. Name & Designation of Teacher

Ms. Madhu Bala, PGT English

1. Context/Background

At the senior secondary level, students often lack fluency and confidence in spoken English. To address this, activity-based strategies like story narration and role play were introduced to make learning interactive and meaningful.

2. Objectives

Develop speaking and listening skills

Enhance critical thinking and interpretation

Build confidence and fluency

Promote collaborative learning

3. Brief of the Practice

Students narrated and analysed the chapter Mother’s Day, followed by converting it into role play performances. This helped in deeper understanding of characters and themes.

4. Implementation Process

Introduction of the chapter and theme discussion

Expressive narration by teacher/students

Class discussion on characters and message

Group formation for role play

Script preparation and rehearsal

Final classroom performance

Feedback and reflection

5. Innovative Elements

Integration of literature with performance

Focus on experiential and competency-based learning

Encouragement of student-led expression

6. Learning Outcomes/Impact

Improved fluency and pronunciation

Increased participation and confidence

Better understanding of literary texts

PHOTOS RELATED TO THE ACTIVITY-

Mother's Day
* Role play

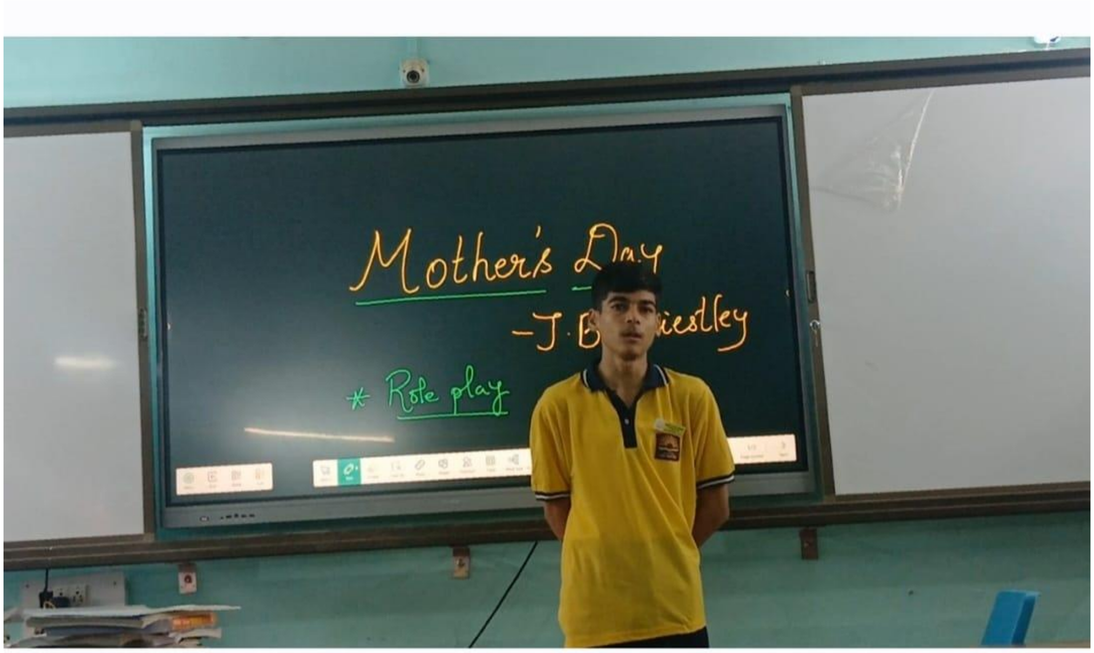
Mother's Day
* Role play

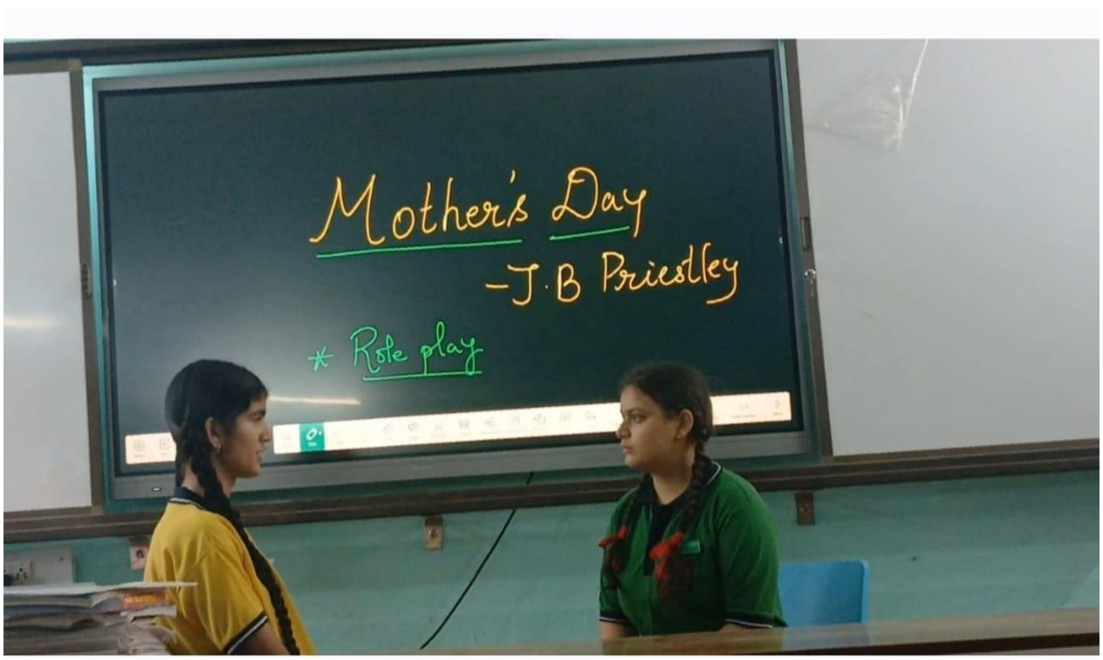
Mother's Day
-J.B Priestley
* Role play

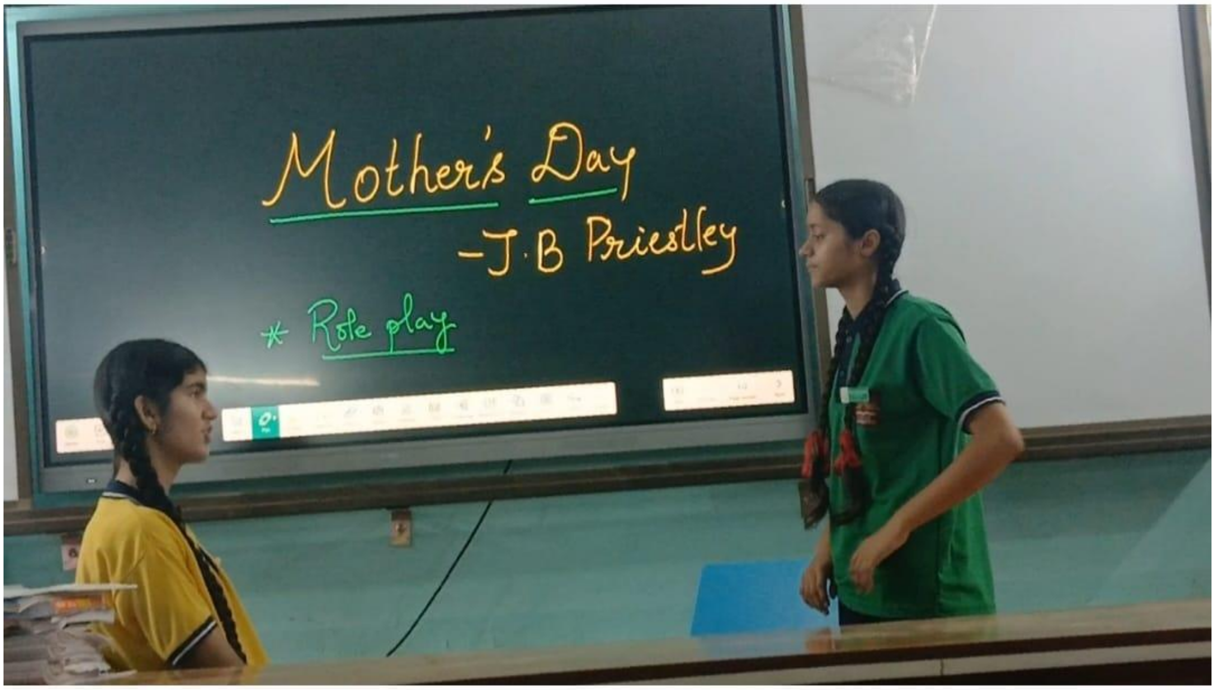
Mother's Day
-J.B Priestley
* Role play

Mother's Day